बी.ए. भाग एक —

= प्रथम सेमेस्टर =

प्रश्नपत्र - ① (सैद्धान्तिक) कला के मूलाधार 10+40 = 50

" ② (क्रियात्मक) मूर्ति शीर्ष (Antique Study) 50 8 शीट्स

" ③ (क्रियात्मक) प्रकृति चित्रण (Nature Study) 50 8 शीट्स
(फूल पत्तियों की संरचना) पेंसिल तथा रंगीन पेन्सिल से चित्रण

= द्वितीय सेमेस्टर =

" ① (सैद्धान्तिक) कला के मूलाधार 10+40 = 50

" ② (क्रियात्मक) स्थिर चित्रण (Still life) 50 6 शीट्स

" ③ (क्रियात्मक) डिजाईन (Design) Freehand Design 50 6 शीट्स

बी.ए. भाग दो

= तृतीय सेमेस्टर =

प्रश्नपत्र - ① (सैद्धान्तिक) भारतीय चित्रकला का इतिहास 10+40 = 50

" ② (क्रियात्मक) अनुकृति चित्रण (Miniature Painting's Copy) = 50 5 शीट्स

" ③ (क्रियात्मक) पोस्टर डिजाइन (Poster Design) = 50 5 शीट्स

= चतुर्थ सेमेस्टर =

" ① (सैद्धान्तिक) भारतीय चित्रकला का इतिहास 10+40 = 50

" ② (क्रियात्मक) चित्र संयोजन (एक भावना आकृति तथा पशु पक्षी) 50 6 शीट्स

" ③ (क्रियात्मक) व्यक्ति चित्रण (जलरंग से अवक्ष आकृति चित्रण) 50 5 शीट्स

बी.ए. भाग तीन

= पंचम सिमेस्टर =

प्रश्नपत्र - ① (सैद्धान्तिक) भारतीय चित्रकला का इतिहास 10+40 = 50 5 शीट्स
(1850 से आधुनिक काल तक)

" ② (क्रियात्मक) चित्र संयोजन (Pictorial Composition) 50 5 शीट्स

" ③ (क्रियात्मक) दृश्य चित्रण (Landscape Painting) 60 5 शीट्स

= षष्टम सेमेस्टर =

" ① (सैद्धान्तिक) ~~मूर्तिकला~~
भारतीय ~~चित्रकला~~ का इतिहास 10+40 = 60

" ② (क्रियात्मक) सृजनात्मक चित्र संयोजन (Creative Composition) [तीन शीट्स अमूर्त / तीन शीट्स मूर्त] 50 6 शीट्स

" ③ (क्रियात्मक) व्यक्ति चित्रण (Portrait Painting) 50 6 शीट्स
तैलरंग (Oil Colour)

दो शीट्स एकरंगीय, दो शीट्स दो रंगीय तथा दो शीट्स बहुरंगीय

नोट: प्रत्येक सेमेस्टर में प्रश्नपत्रानुसार एक-एक स्केचबुक लगभग 50 स्केच के साथ प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

चित्रकला विषय की स्नातक व स्नातकोत्तर कक्षाओं के किसी भी सेमेस्टर में प्रोजेक्ट वर्क तथा इन्टर्नशिप लागू नहीं होगी।

B.A. II Sem

विक्रम विश्वविद्यालय चित्रकला अध्ययन मण्डल
चित्रकला विषय
पाठ्यक्रम सत्र/सेमिस्टर 2011–12
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर

चित्रकला विषय में तीन प्रश्न पत्र होंगे एक सैद्धांतिक 50 अंक का तथा दो क्रियात्मक (प्रयोगिक) 50–50 अंक के होंगे। सैद्धांतिक प्रश्न पत्र के 10 अक आंतरिक सतत् मूल्यांकन (सीसीई) के होंगे।

प्रत्येक सेमेस्टर में एक सीसीई के होगा। प्रश्नपत्रों का गठन दो खण्डों में होगा – खण्ड 'अ' एवं खण्ड 'ब'। खण्ड 'अ' में लघु उत्तरीय प्रश्न होगें। खण्ड 'ब' में दीर्घउत्तरीय प्रश्न होंगे। लघु उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा 100 शब्दों (अधिकतम) की होगी एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा 800 (अधिकतम) शब्दों की होगी। लघु उत्तरीय प्रश्न 3 अंकों के 5 (3x5=15) एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 5 अंको के 5 (5x5=25) होगें। प्रत्येक इकाई में आतंरिक विकल्प पूर्ववत ही रहेंगे।

10 अंको का एक ही आंतरिक मूल्यांकन प्रत्येक विषय हेतु निर्धारित होगा। विद्यार्थी को किसी कारणवश अनुपस्थित हो जाने के कारण इसी घोषित अवधि में एक अवसर दिया जा सकेगा। इसके उपरांत उस विषय की आंतरिक परीक्षा आयोजित नहीं की जा सकेगी। आंतरिक मूल्यांकन कार्य लिखित स्वरूप में होगा एवं इसका रिकार्ड महाविद्यालय/अध्ययनशाला स्तर पर रखा जाएगा। V 268 S.230

प्रश्नपत्र प्रथम : कला के मूलाधर — कुल अंक 10+40=50

इकाई प्रथम	–	षडंग–रूपभेद, प्रमाण, भाव, लावण्य योजना सादृश्य तथा वर्णिका भंग
इकाई द्वितीय	–	संयोजन (काम्पोजिशन)–संतुलन, लय, संगति बल एवं एकबद्धता
इकाई तृतीय	–	तकनीक – फ्रस्को, टेम्परा, म्यूरल
इकाई चतुर्थ	–	लघुचित्रण, माध्यम – जलरंग, तैलरंग, शुष्क एवं आद्रमाध्यम
इकाई पंचम	–	प्रमुख आधुनिक माध्यम

प्रश्नपत्र द्वितीय – (क्रियात्मक) प्रकृति चित्रण स्थिरचित्रण – दैनिक उपयोग में आनेवाली वस्तुओं, विभिन्न प्रकार के पत्तियों फलों–फूल आदि के समूह का जलरंग अथवा पोस्टर रंग द्वारा पार्श्व भूमि एवं परीभूमि के स्वरूप से उपयोजित वस्त्र सहित चित्रांकन करना।

नोट – इस हेतु सेमेस्टर अवधि में किये गये कार्यों में से कोई छः चयनित कार्य (शीट्स) क्रियात्मक परीक्षा के पूर्व संबंधित प्राध्यापक से अधोहस्ताक्षरित परीक्षा केन्द्र पर जमा करना अनिवार्य होगा।

प्रश्नपत्र तृतीय – (क्रियात्मक) मूर्तिशीर्ष – इस प्रश्नपत्र में किसी आवक्ष प्रतिमा को सामने रखकर पार्श्व भूमि एव परीभूमि के स्वरूप से उपयोजित वस्त्र सहित एक रंगीन योजना द्वारा पेन्सिल, पेस्टल, जलरंग आदि माध्यम द्वारा चित्रांकण करना।

नोट – इस हेतु सेमेस्टर अवधि मे किये गये कार्यों में से कोई छः चयनित कार्य (शीट्स) क्रियात्मक परीक्षा के पूर्व संबंधित प्राध्यापक से अधोहस्ताक्षरित परीक्षा केन्द्र पर जमा करना अनिवार्य होगा।

16.05.13
16.9.13
16.03.12
03.08.11

विक्रम विश्वविद्यालय चित्रकला अध्ययन मण्डल
चित्रकला विषय
पाठ्यक्रम सत्र/सेमिस्टर 2011–12
बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर

चित्रकला विषय में तीन प्रश्न पत्र होंगे एक सैद्धांतिक 50 अंक का तथा दो क्रियात्मक (प्रयोगिक) 50–50 अंक के होंगे। सैद्धांतिक प्रश्न पत्र के 10 अंक आंतरिक सतत् मूल्यांकन (सीसीई) के होंगे।

प्रत्येक सेमेस्टर में एक सीसीई के होगा। प्रश्नपत्रों का गठन दो खण्डों में होगा – खण्ड 'अ' एवं खण्ड 'ब'। खण्ड 'अ' में लघु उत्तरीय प्रश्न होगें। खण्ड 'ब' में दीर्घउत्तरीय प्रश्न होंगे। लघु उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा 100 शब्दों (अधिकतम) की होगी एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा 800 (अधिकतम) शब्दों की होगी। लघु उत्तरीय प्रश्न 3 अंकों के 5 (3x5=15) एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 5 अंको के 5 (5x5=25) होगें। प्रत्येक इकाई में आतंरिक विकल्प पूर्ववत ही रहेंगे।

10 अको का एक ही आंतरिक मूल्यांकन प्रत्येक विषय हेतु निर्धारित होगा। विद्यार्थी को किसी कारणवश अनुपस्थित हो जाने के कारण इसी घोषित अवधि में एक अवसर दिया जा सकेगा। इसके उपरांत उस विषय की आंतरिक परीक्षा आयोजित नहीं की जा सकेगी। आंतरिक मूल्यांकन कार्य लिखित स्वरूप में होगा एवं इसका रिकार्ड महाविद्यालय/अध्ययनशाला स्तर पर रखा जाएगा।

प्रश्नपत्र प्रथम : कला के मूलाधर — कुल अंक 10+40=50

इकाई प्रथम – षडंग–रूपभेद, प्रमाण, भाव, लावण्य योजना सादृश्य तथा वर्णिका भंग

इकाई द्वितीय – संयोजन (काम्पोजिशन)–संतुलन, लय, सगति बल एवं एकबद्धता

इकाई तृतीय – तकनीक – फस्को, टेम्परा, म्यूरल

इकाई चतुर्थ – लघुचित्रण, माध्यम – जलरंग, तैलरंग, शुष्क एवं आद्रमाध्यम

इकाई पंचम – प्रमुख आधुनिक माध्यम

प्रश्नपत्र द्वितीय – (क्रियात्मक) स्थिरचित्रण – दैनिक उपयोग में आनेवाली वस्तुओ, विभिन्न प्रकार के पात्रों फलों–फूल आदि के समूह का जलरंग अथवा पोस्टर रंग द्वारा पार्श्व भूमि एवं परीभूमि के स्वरूप से उपयोजित वस्त्र सहित चित्रांकन करना।

नोट – इस हेतु सेमेस्टर अवधि में किये गये कार्यों में से कोई छः चयनित कार्य (शीट्स) क्रियात्मक परीक्षा के पूर्व संबंधित प्राध्यापक से अधोहस्ताक्षरित परीक्षा केन्द्र पर जमा करना अनिवार्य होगा।

प्रश्नपत्र तृतीय – (क्रियात्मक) मूर्तिशीर्ष – इस प्रश्नपत्र में किसी आवक्ष प्रतिमा को सामने रखकर पार्श्व भूमि एवं परीभूमि के स्वरूप से उपयोजित वस्त्र सहित एक रंगीन योजना द्वारा पेन्सिल, पेस्टल, जलरंग आदि माध्यम द्वारा चित्रांकण करना।

नोट – इस हेतु सेमेस्टर अवधि में किये गये कार्यों में से कोई छ चयनित कार्य (शीट्स) क्रियात्मक परीक्षा के पूर्व संबंधित प्राध्यापक से अधोहस्ताक्षरित परीक्षा केन्द्र पर जमा करना अनिवार्य होगा।

16.9.13

03.08.11

B.A. I

विक्रम विश्वविद्यालय चित्रकला अध्ययन मण्डल
चित्रकला विषय
पाठ्यक्रम सत्र / सेमिस्टर 2011–12
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर

चित्रकला विषय में तीन प्रश्न पत्र होंगे एक सैद्धांतिक 50 अंक का तथा दो क्रियात्मक (प्रयोगिक) 50–50 अंक के होंगे। सैद्धांतिक प्रश्न पत्र के 10 अंक आंतरिक सतत् मूल्यांकन (सीसीई) के होंगे।

प्रत्येक सेमेस्टर में एक सीसीई के होगा। प्रश्नपत्रों का गठन दो खण्डों में होगा – खण्ड 'अ' एवं खण्ड 'ब'। खण्ड 'अ' में लघु उत्तरीय प्रश्न होगें। खण्ड 'ब' में दीर्घउत्तरीय प्रश्न होंगे। लघु उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा 100 शब्दों (अधिकतम) की होगी एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों की शब्द सीमा 800 (अधिकतम) शब्दों की होगी। लघु उत्तरीय प्रश्न 3 अंकों के 5 (3x5=15) एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 5 अंको के 5 (5x5=25) होगें। प्रत्येक इकाई में आतंरिक विकल्प पूर्ववत ही रहेंगें।

10 अंको का एक ही आंतरिक मूल्यांकन प्रत्येक विषय हेतु निर्धारित होगा। विद्यार्थी को किसी कारणवश अनुपस्थित हो जाने के कारण इसी घोषित अवधि में एक अवसर दिया जा सकेगा। इसके उपरांत उस विषय की आतरिक परीक्षा आयोजित नहीं की जा सकेगी। आंतरिक मूल्यांकन कार्य लिखित स्वरूप में होगा एवं इसका रिकार्ड महाविद्यालय / अध्ययनशाला स्तर पर रखा जाएगा।

~~K-238-A~~-2.09

प्रश्नपत्र प्रथम : कला के मूलाधर — कुल अंक 10+40=50

इकाई प्रथम	–	कला का परिचय, विभिन्न परिभाषाएं एवं व्याख्या
इकाई द्वितीय	–	सौन्दर्य का परिचय, विभिन्न परिभाषाएं एवं व्याख्या
इकाई तृतीय	–	चित्रकला का वर्गिकरण, ललित एवं उपयोगी कला
इकाई चतुर्थ	–	चित्रकला के मूल तत्व–रेखा एवं रेखा के प्रकार रूपाकार, अन्तराल / अवकाश (स्पेस)
इकाई पंचम	–	चित्रकला के मूल तत्व वर्ण तथा रंगों के प्रभाव तान (टोन) पोत (ट्रेक्चर)
प्रश्नपत्र द्वितीय	–	(क्रियात्मक) (स्थिरचित्रण) [प्रकृति चित्रण] – दैनिक उपयोग में आनेवाली वस्तुओं, विभिन्न प्रकार के कोई दो पत्ति, फल–फूल आदि को पेंसिल शेड, जलरंग अथवा पोस्टर रंगों के माध्यम से अध्ययन।

नोट – इस हेतु सेमेस्टर अवधि में किये गये कार्यों में से कोई छः चयनित कार्य (शीट्स) क्रियात्मक परीक्षा के पूर्व संबंधित प्राध्यापक से अधोहस्ताक्षरित परीक्षा केन्द्र पर जमा करना अनिवार्य होगा।

प्रश्नपत्र तृतीय	–	(क्रियात्मक) मूर्तिशीर्ष – इस प्रश्नपत्र में किसी आवक्ष प्रतिमा को सामने रखकर पेन्सिल, चारकोल अथवा पेन के माध्यम से रेखाकांत, जिसमे छाया तथा प्रकाश का प्रयोग द्वारा अध्ययन ।

नोट – इस हेतु सेमेस्टर अवधि में किये गये कार्यों में से कोई छः चयनित कार्य (शीट्स) क्रियात्मक परीक्षा के पूर्व संबंधित प्राध्यापक से अधोहस्ताक्षरित परीक्षा केन्द्र पर जमा करना अनिवार्य होगा।

Appna 16-9-13   16.09.13   03.08.11

पाठ्यक्रम सत्र 2008--09

विषय : चित्रकला

चित्रकला विषय मे 50–50 अंको के तीन प्रश्नपत्र होंगे एक सैद्धान्तिक एवं दो क्रियात्मक प्रश्नपत्र होंगे । प्रत्येक प्रश्न पत्र में 15 अंक आन्तरिक सतत मुल्यांकन के होगें ।

प्रश्न पत्र	कुल अंक
प्रश्नपत्र 1 – (सैद्धान्तिक) कला के मूलाधार	15 + 35= 50
प्रश्नपत्र 2 – स्थिर चित्रण (Still Life)	50
प्रश्नपत्र 3 – मूर्ति शीर्ष चित्रण (Antique study)	50

बी. ए. (प्रथम वर्ष)

विषय : **चित्रकला**

प्रथम प्रश्नपत्र : (सैद्धान्तिक) कला के मूलाधार

सेमिस्टर प्रथम

परीक्षा की अवधि 3 घण्टे होगी, पुर्णांक : 35

परीक्षा में प्रत्येक इकाई में से दो आन्तरिक विकल्पों में से एक प्रश्न हल करना होगा प्रत्येक प्रश्न 7 अंको का होगा ।

इकाई प्रथम	:	कला का अर्थ, व्याख्या एवं कला की परिभाषाएँ
इकाई द्वितीय	:	सौन्दर्य का अर्थ, व्याख्या एवं सौन्दर्य की परिभाषाएँ
इकाई तृतीय	:	कला का वर्गीकरण,
इकाई चतुर्थ	:	कला के तत्व, रेखा, रूप, अन्तराल,रंग, तान, पोत, संरचना
इकाई पंचम	:	विभिन्न टिप्पणियाँ एवं वस्तुनिष्ट प्रश्न

बी. ए. (प्रथम वर्ष)
विषय : चित्रकला
द्वितीय प्रश्नपत्र : (क्रियात्मक) स्थिर चित्रण

सेमिस्टर प्रथम

पार्श्व भूमि के स्वरूप में उपयोजित वस्त्र सहित दैनिक उपयोग में आने वाली वस्तुओं, विभिन्न प्रकार के पात्र, फूलों, फलों आदि के समूह का पेन्सिल शेडिंग, जल रंग, पेस्टल कलर एवं विभिन्न माध्यमों में अध्ययन

परीक्षा की अवधि 3 घण्टे होगी, क्रियात्मक परीक्षा अंक : 50

उत्तर पत्र (ड्राईंग शीट) का आकार 11"X 15" इंन्च होगा, इस हेतु क्रियात्मक परिक्षार्थी को सेमिस्टर परीक्षा के दस दिन पहले इस विषय की 5 प्लेट्स (नमूने के चित्र) एवं एक स्केच बुक जिसमे स्केच किये हुऐ हों सम्बन्धित विषय के प्राध्यापक/आन्तरिक परीक्षक से हस्ताक्षरित प्रस्तुत करना होंगी । तभी परिक्षार्थी क्रियात्मक परीक्षा में सम्मिलित होने की पात्रता प्राप्त कर सकेगा ।

विषय : चित्रकला

तृतीय प्रश्नपत्र : (क्रियात्मक) मूर्ति शीर्ष चित्रण (एन्टिक स्टडी)

सेमिस्टर प्रथम

मूर्ति के आवक्ष का पेन या पेन्सिल से स्केचिंग जिसमें सिर एवं कन्धों आदि की मूल संरचना, विभिन्न प्रकार के छाया प्रकाश (लाईट एवं शेड) के द्वारा अध्ययन ।

परीक्षा की अवधि 3 घण्टे होगी, क्रियात्मक परीक्षा अंक 50

उत्तर पत्र (ड्राईंग शीट) का आकार 11"X 15" इंन्च होगा, इस हेतु क्रियात्मक परिक्षार्थी को सेमिस्टर परीक्षा के दस दिन पहले इस विषय की 5 प्लेट्स (नमूने के चित्र) एवं एक स्केच बुक जिसमे स्केच किये हुऐ हों सम्बन्धित विषय के प्राध्यापक/आन्तरिक परीक्षक से हस्ताक्षरित प्रस्तुत करना होगी । तभी परिक्षार्थी क्रियात्मक परीक्षा में सम्मिलित होने की पात्रता प्राप्त कर सकेगा ।

(9)
B.A. III sem

पाठ्यक्रम सत्र 2009–2010

विशेष –

प्रत्येक सेमिस्टर

बी.ए. तृतीय सेमिस्टर

(चित्रकला विषय) में तीन प्रश्न पत्र होंगे एक सैद्धान्तिक 50 अंक का तथा दो क्रियात्मक 50-50 अंक के प्रश्न पत्र होगें। सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र में 15 अंक आंतरिक सतत मुल्यांकल के होंगे।

प्रश्न पत्र	कुल अंक
प्रश्नपत्र 1– (सैद्धान्तिक) भारतीय चित्रकला का इतिहास	10 + 40 = 50 ~~15 + 35 = 50~~
प्रश्नपत्र 2– (क्रियात्मक) व्यक्ति चित्रण	50
प्रश्नपत्र 3- (क्रियात्मक) अनुकृति (लघु) चित्रण	50

सेमिस्टर तृतीय

सैद्धान्तिक **परीक्षा की अवधि 3 घण्टे होगी, पुर्णांकः 35**

प्रत्येक पत्र तीन खण्डों का होगा खण्ड अ– वस्तुनिष्ठ कुल पाँच प्रश्न होंगे तथा पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न होगा। प्रत्येक प्रश्न के एक–एक अंक होंगे। खण्ड ब– लघुउत्तरीय में कुल पांच प्रश्न होंगे तथा पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ होगा। प्रत्येक प्रश्न के दो अंक होंगे। खण्ड स– दीर्घ उत्तरीय में कुल पाँच प्रश्न होंगे तथ पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ होगा। प्रत्येक प्रश्न के चार अंक होंगे।

~~खण्ड–अ वस्तुनिष्ठ (5 x 1 = 5)~~ कुल अंक ~~35~~ 40

खण्ड–ब लघुउत्तरीय (5 x 3 = ~~10~~) 15

खण्ड–स दीर्घउत्तरीय (5 x 5 = ~~20~~) 25

16.9.13

चित्रकला विभाग
शास. माधव महाविद्यालय, उज्जैन

बी. एल. सिंहरोडिया
अध्यक्ष : अ. बो. एवं अध्यक्ष : चित्रकला विभाग
शा. कालिदास स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

तृतीय सेमेस्टर

B-3041

भारतीय चित्रकला का इतिहास

इकाई –प्रथम

प्रागैतिहासिक काल की चित्रकला एवं प्रागैतिहासिक चित्रकला के प्रमुख स्थल।

इकाई–द्वितीय

सिन्धु घाटी की सभ्यता की चित्रकला, मोहनजोदड़ो एवं हड़प्पा के अवशेष।

इकाई – तृतीय

साहित्य में वर्णित चित्रकला

इकाई–चतुर्थ

गुफा चित्रण– जोगीमारा, बाघ एवं अजन्ता के गुफा चित्र

इकाई–पंचम

गुफा चित्रण– सित्तनवासल, बादामी एवं सिगिरिया की गुफाओं का चित्रण

क्रियात्मक –1 परीक्षा की अवधि 4 घण्टे होगी, पूर्णांक: 50

व्यक्ति चित्रण

पोस्टर डिजाइनिंग

पार्श्वभूमि में उपयोगिता वस्त्र के सहित किसी स्त्री अथवा पुरूष के मुख उर्ध्वांग का जलरंग, पोस्टर रंग एवं विभिन्न माध्यम द्वारा छाया–प्रकाश के भेदों (Tone) का अध्ययन।

उत्तर पत्र (ड्राइंग शीट) का आकार 11" x 15" होगा। इस हेतु क्रियात्मक परीक्षार्थी को सेमिस्टर परीक्षा के 10 दिन पूर्व इस विषय की 5 प्लेट्स (नमूने के चित्र) एवं एक स्केच बुक जिसमें किये हुए स्केच सम्बन्धित विषय के प्राध्यापक/आन्तरिक परीक्षक के हस्ताक्षरित प्रस्तुत करना होंगी, तभी परिक्षार्थी क्रियात्मक परीक्षा में सम्मिलित होने की पात्रता प्राप्त कर सकेगा।

विभागाध्यक्ष
चित्रकला विभाग
... माधव महाविद्यालय, उज्जैन

16.9.19

बी. एल. सिंहोलिया

पाठ्यक्रम सत्र 2009–2010

विशेष –

बी.ए. तृतीय सेमिस्टर

प्रत्येक सेमिस्टर

(चित्रकला विषय) में तीन प्रश्न पत्र होंगे एक सैद्धान्तिक 50 अंक का तथा दो क्रियात्मक 50-50 अंक के प्रश्न पत्र होगें। सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र में 15 अंक आंतरिक सतत मुल्याकल के होंगे।

प्रश्न पत्र	कुल अंक
प्रश्नपत्र 1– (सैद्धान्तिक) भारतीय चित्रकला का इतिहास	15 + 35 =50
प्रश्नपत्र 2– (क्रियात्मक) व्यक्ति चित्रण	50
प्रश्नपत्र 3- (क्रियात्मक) अनुकृति (लघु) चित्रण	50

संमिस्टर तृतीय

सैद्धान्तिक — परीक्षा की अवधि 3 घण्टे होगी, **पुर्णकः 35**

प्रत्येक पत्र तीन खण्डों का होगा खण्ड अ– वस्तुनिष्ठ कुल पाँच प्रश्न होंगे तथा पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न होगा। प्रत्येक प्रश्न के एक–एक अंक होंगे। खण्ड ब– लघुउत्तरीय में कुल पांच प्रश्न होंगे तथा पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ होगा। प्रत्येक प्रश्न के दो अंक होंगे। खण्ड स– दीर्घ उत्तरीय में कुल पाँच प्रश्न होंगे तथ पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न आंतरिक विकल्प के साथ होगा। प्रत्येक प्रश्न के चार अंक होंगे।

खण्ड–अ	वस्तुनिष्ठ	(5 x 1 = 5)	कुल अंक 35
खण्ड–ब	लघुउत्तरीय	(5 x 2 = 10)	
खण्ड–स	दीर्घउत्तरीय	(5 x 4 = 20)	

16-9-12

डॉ. एल. सिसोदिया

चित्रकला विभाग ... महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

K-278

भारतीय चित्रकला का इतिहास

इकाई –प्रथम

प्रागैतिहासिक काल की चित्रकला एवं प्रागैतिहासिक चित्रकला के प्रमुख स्थल।

इकाई–द्वितीय

सिन्धु घाटी की सभ्यता की चित्रकला, मोहनजोदड़ो एवं हड़प्पा के अवशेष।

इकाई – तृतीय

साहित्य में वर्णित चित्रकला

इकाई–चतुर्थ

गुफा चित्रण– जोगीमारा, बाघ एवं अजन्ता के गुफा चित्र

इकाई–पंचम

गुफा चित्रण– सिन्तनवासल, बादामी एवं सिगिरिया की गुफाओं का चित्रण

क्रियात्मक –1 परीक्षा की अवधि 4 घण्टे होगी, पुर्णांक: 50

व्यक्ति चित्रण

पार्श्वभूमि में उपयोगिता वस्त्र के सहित किसी स्त्री अथवा पुरूष के मुख उर्ध्वांग का जलरंग, पोस्टर रंग एवं विभिन्न माध्यम द्वारा छाया–प्रकाश के भेदों (Tone) का अध्ययन।

उत्तर पत्र (ड्राइंग शीट) का आकार 11" x 15" होगा। इस हेतु क्रियात्मक परीक्षार्थी को सेमिस्टर परीक्षा के 10 दिन पूर्व इस विषय की 5 प्लेट्स (नमूने के चित्र) एवं एक स्केच बुक जिसमें किये हुए स्केच सम्बन्धित विषय के प्राध्यापक/आन्तरिक परीक्षक के हस्ताक्षरित प्रस्तुत करना होंगी, तभी परिक्षार्थी क्रियात्मक परीक्षा में सम्मिलित होने की पात्रता प्राप्त कर सकेगा।

विभागाध्यक्ष
चित्रकला विभाग
शास. माधव महाविद्यालय, उज्जैन
16-9-13

बी. एल. सिंहरोडिया

B.A. 4th sem

V.309

बी.ए. चतुर्थ सेमिस्टर

सैद्धान्तिक | परीक्षा की अवधि 3 घण्टे होगी, | पुर्णांक: 35 40

प्रश्न पत्र - प्रथम

भारतीय चित्रकला का इतिहास

इकाई –प्रथम

पाल शैली, जैन शैली, एवं अपभ्रंश शैली।

इकाई–द्वितीय

राजस्थानी शैली, उद्‌भव विकास एवं विशेषताएँ।

इकाई – तृतीय

मेवाड़ किशनगढ एवं कोटा बूंदी की चित्रकला का उद्‌भव एवं विशेषताएँ।

इकाई–चतुर्थ

मुगल शैली–अकबर, जहाँगीर व शाहजहाँ के काल की चित्रकला का वर्णन

इकाई–पंचम

पहाड़ी शैली– काँगड़ा एवं बसहोली शैली का उद्‌भव एवं विशेषताएँ।

25.3.10 25.3.10

16.9.13 16.09.13

बी०ए० चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्नपत्र - द्वितीय - व्यक्ति चित्रण पूर्णांक - 50

पार्श्वभूमि में उपयोजित वस्त्र के सहित किसी स्त्री अथ पुरुष के मुख उर्ध्वांग का जलरंग, पोस्टर रंग एवं विभिन्न माध्यम द्वारा छाया-प्रकाश के भेदों (Tone) का अध्ययन।

उत्तर शीट (ड्राइंग शीट) का आकार 11"x15" होगा। इस क्रियात्मक परीक्षार्थी को सेमेस्टर परीक्षा के पूर्व इस विषय की 05 प्लेट्स (नमूने के चित्र) एवं स्केच बुक जिसमें किये हुए स्केच सम्बन्धित विषय के प्राध्यापक / आन्तरिक परीक्षक के ह हस्ताक्षरित प्रस्तुत करना होगी, तभी परीक्षार्थी क्रियात्मक प में सम्मिलित होने की पात्रता प्राप्त कर सकेगा।

प्रश्नपत्र - तृतीय - लघुचित्रण पूर्णांक - 50

प्राचीन कला कृतियों का अध्ययन (अनुकृति)

अजन्ता, राजस्थानी, मुगल, पहाड़ी शैली के चित्रों की सही अनुकृतियाँ।

अनुशंसित पुस्तकें -

(1) ललित कला अकादमी द्वारा प्रकाशित अनुकृतियाँ।
(2) अजन्ता प्लेट्स - ललित कला अकादमी।

टिप्पणी :- उत्तरपत्र का आकार 11"x15" होगा। प्रत्येक अभ्य सेमेस्टर परीक्षा आरम्भ होने के पूर्व इस विषय के प्लेट्स (नमूने के चित्र) एवं एक स्केचबुक जि किये गये स्केच सम्बन्धित विषय के प्राध्यापक/आ परीक्षक से अधो हस्ताक्षरित प्रस्तुत करना होगा अभ्यर्थी क्रियात्मक परीक्षा में सम्मिलित होने पात्रता प्राप्त कर सकेगा।

16.9.13

(13)

B. A. 5th Sem (12)

K. 336
~~A-330~~
~~B-361~~

बी.ए. पंचम् सेमिस्टर

सैद्धान्तिक परीक्षा की अवधि 3 घण्टे होगी, पुर्णक: 35

भारतीय चित्रकला का इतिहास
(1850 से आधुनिक काल तक)

इकाई –प्रथम

कम्पनी शैली, राजा रवि वर्मा की कला

इकाई–द्वितीय

बंगाल में पुनरूत्थान, बांगाल के प्रमुख चित्रकार–रविन्द्रनाथ टैगोर, नन्दलाल बसु

इकाई – तृतीय

आधुनिक काल के प्रमुख कलाकार– अमृता शेरगिल, यामिनी राय

इकाई–चतुर्थ

प्रगतिशील ग्रुप एवं समसामयिक कलाकार– मकबूल फिदा हुसेन, रज़ा, सूज़ा एवं ओरा

इकाई–पंचम

यथार्थवाद एवं प्रमुख चित्रकार – गुस्ताव कोर्बे, दामिया, मिले, एडवर्ट माने
प्रभाववाद एवं प्रमुख चित्रकार – क्लाउड मोने, पिसारो, सिसली, दीगा, रेन्वा

बी.ए. पंचम सेमिस्टर

क्रियात्मक -1 **परीक्षा की अवधि 4 घण्टे होगी,** **पुर्णक: 150**

चित्र संयोजन

किसी ऐतिहासिक, पौराणिक, धार्मिक एवं सामाजिक प्रसंग पर संरचना (Composition), कम से कम तीन मानवाकृतियों का संयोजन। संरचना जलरंग, पोस्टर रंग या विभिन्न रंग माध्यम द्वारा करना अनिवार्य होगा।

टिप्पणी– उत्तर पत्र का आकार 15" X 22" होगा। प्रत्येक अभ्यार्थी को सेमिस्टर परीक्षा प्रारम्भ होने के 10 दिन पूर्व इस विषय की 3 प्लेट्स (नमूने के चित्र) एवं एक स्केच

विभागाध्यक्ष
चित्रकला विभाग
शास. माधव महाविद्यालय, उज्जैन

16.9.13

डॉ. एल. सिंहरोडिया

बुक जिसमें किये हुए स्केच सम्बन्धित विषय के प्राध्यापक/ आन्तरिक परीक्षक से हस्ताक्षरित प्रस्तुत करना होगी, तभी अभ्यार्थी क्रियात्मक परीक्षा में सम्मिलित होने की पात्रता प्राप्त कर सकेगा।

बी.ए. पंचम् सेमिस्टर

क्रियात्मक - 2 **परीक्षा की अवधि 4 घण्टे होगी,** **पुर्णकः 50**

दृश्यचित्रण

प्रात्यक्षिक रूप से प्रकृति दृश्य नदीतट, झोपड़ी, ग्राम, पहाड़ी, ऐतिहासिक इमारत, मन्दिर आदि दृश्यों का स्थान–विशेष पर पहुँच कर जलरंग से चित्रण।

टिप्पणी– उत्तर पत्र का आकार 11" X 15 " होगा। प्रत्येक अभ्यार्थी को सेमिस्टर परीक्षा प्रारम्भ होने के 10 दिन पूर्व इस विषय की 3 प्लेट्स (नमूने के चित्र) एवं एक स्केच बुक जिसमें किये हुए स्केच सम्बन्धित विषय के प्राध्यापक/आन्तरिक परीक्षक से हस्ताक्षरित प्रस्तुत करना होगी, तभी अभ्याथी क्रियात्मक परीक्षा में सम्मिलित होने की पात्रता प्राप्त कर सकेगा।

16-9-13

BoA 6th Semi

V 386
~~S-340~~
~~C-400~~

बी.ए. षष्टम् सेमिस्टर

सैद्धान्तिक **परीक्षा की अवधि 3 घण्टे होगी,** **पुर्णकः 35**

भारतीय मूर्तिकला का इतिहास

इकाई –प्रथम

परिभाषा, प्रागैतिक हासिक कला, मोहन जोउड़ो

इकाई–द्वितीय

वैदिककला, शैशुनाक तथा नन्दकाल, मोर्यकालु

इकाई – तृतीय

शुंग काल– साँची, भरहुत

इकाई–चतुर्थ

कुषाण सातवाहन काल– गांधार शैली, मथुरा शैली
अमरावती तथा नागार्जुन कोंडा

इकाई–पंचम

अमरावती शैली व नागार्जुन कोंडा

बी.ए. षष्टम सेमिस्टर

क्रियात्मक -1 **परीक्षा की अवधि 4 घण्टे होगी,** **पुर्णकः 150**

सृजनात्मक - चित्र संयोजन ([illegible])

किसी ऐतिहासिक, पौराणिक, धार्मिक एवं सामाजिक प्रसंग पर संरचना (Composition), कम से कम तीन मानवाकृतियों का संयोजन। संरचना जलरंग, पोस्टर रंग या विभिन्न रंग माध्यम द्वारा करना अनिवार्य होगा।

टिप्पणी– उत्तर पत्र का आकार 15" X 22" होगा। प्रत्येक अभ्यार्थी को सेमिस्टर परीक्षा प्रारम्भ होने के 10 दिन पूर्व इस विषय की 5 प्लेट्स (नमूने के चित्र) एवं एक स्केच

विभाग

16.9.13

16.09.12

बी.ए. षष्टम् सेमिस्टर

क्रियात्मक - 2 परीक्षा की अवधि 4 घण्टे होगी, पुर्णकः 50

दृश्यचित्रण

प्रात्यक्षिक रूप से प्रकृति दृश्य नदीतट, झोपड़ी, ग्राम, पहाड़ी, ऐतिहासिक इमारत, मन्दिर आदि दृश्यों का स्थान–विशेष पर पहुँच कर जलरंग से चित्रण।

टिप्पणी– उत्तर पत्र का आकार 11" x 15 " होगा। प्रत्येक अभ्यार्थी को सेमिस्टर परीक्षा प्रारम्भ होने के 10 दिन पूर्व इस विषय की 5 प्लेट्स (नमूने के चित्र) एवं एक स्केच बुक जिसमें किये हुए स्केच सम्बन्धित विषय के प्राध्यापक/आन्तरिक परीक्षक से हस्ताक्षरित प्रस्तुत करना होगी, तभी अभ्याथी क्रियात्मक परीक्षा में सम्मिलित होने की पात्रता प्राप्त कर सकेगा।

बी. एल. सिंहरोडिया

16.03.12

16.9.13

16.09.13

विभागाध्यक्ष